संख्या- 198/2015-2334/नौ-5-15-02एनजीआरबीए/2015

प्रेषक,

उमाशंकर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तर प्रदेश जल निगम,
लखनऊ ।

नगर विकास अनुभाग- 5 लखनऊ दिनांक 17 जून, 2015

विषय: **"नेशनल गंगा रीवर बेसिन अथारिटी कार्यक्रम"** के अन्तर्गत EAP & NONEAP मद में केन्द्रांश के रूप में प्राप्त धनराशि रू0 5264.00 लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्यांश के रूप में रू0 2256.00 लाख की वित्तीयस्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, वित्त, उ0प्र0 राज्य गंगा नदी संरक्षण अभिकरण के पत्र सं0 249/0061/एस0जी0आर0सी0ए0/03, दिनांक 09.04.2015 एवं 314/0077/एस0जी0आर0सी0ए0/03, दिनांक 01.05.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि **"नेशनल गंगा रीवर बेसिन अथारिटी कार्यक्रम"** के अन्तर्गत EAP & NON EAP मद में क्रमशः रू0 3300.00 लाख एवं रू0 1964.00 लाख कुल रू0 5264.00 लाख (केन्द्रांश के रूप में) प्राप्त हुयी है, जो गत वित्तीय वर्ष में उ0प्र0 राज्य गंगा नदी संरक्षण अभिकरण के खाते में सीधे उपलब्ध करायी गई है, के आधार पर राज्यांश के रूप में क्रमशः रू0 1414.29 लाख एवं रू0 841.71 लाख कुल रू0 2256.00 लाख (रू0 सत्हत्तर लाख दस हजार मात्र) को निम्नलिखित विवरण/शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृत किये जाने पर श्री राज्यपाल सहर्ष अनुमति प्रदान करते है :-

योजना का नाम	केन्द्रांश के रूप में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि ।	राज्यांश के रूप में स्वीकृत धनराशि।
एन0जी0आर0बी0ए0 नान ई0ए0पी0	रू0 130.00 लाख	रू0 55.71 लाख
एन0जी0आर0बी0ए0 नान ई0ए0पी0	रू0 1834.00 लाख	रू0 786.00 लाख
एन0जी0आर0बी0ए0 **नान ई0ए0पी0 का योग**	रू0 1964.00 लाख	रू0 841.71 लाख
एन0जी0आर0बी0ए0 ई0ए0पी0	रू0 3300.00 लाख	रू0 1414.29 लाख
योग एन0जी0आर0बी0ए0 ई0ए0पी0 + नान ई0ए0पी0	**रू0 5264.00 लाख**	**रू0 2256.00 लाख**

(1) भारत सरकार के आदेश सं0-एफ-42/2014-15/407एन0एम0सी0जी0-मो0 डब्लू आर फण्ड, एफ- दिनांक 12.02.2015, आदेश सं0- एफ-39/2014-15 सरकुलर, दिनांक 12.02.2015 एवं आदेश सं0- एफ-42/2014-15/407एन0एम0सी0जी0-मो0 डब्लू आर फण्ड, दिनांक 10.04.2015 द्वारा निर्धारित शर्तो का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय ।

(2) उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम, लखनऊ तथा विशेष सचिव, नगर विकास विभाग के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल प्रस्तुत करके लखनऊ कोषागार/ भारतीय स्टेट बैक से आहरित कर व्यय की जायेगी ।

go finance mangal font

(3) स्वीकृत धनराशि भारत सरकार द्वारा प्रश्नगत योजनान्तर्गत जारी किये गये दिशा निर्देशो के अनुरूप अनुमोदित योजना पर ही व्यय की जायेगी, जिसका विस्तृत विवरण तथा भौतिक प्रगति शासन को प्रत्येक त्रैमास के अन्त तक भेजा जाना आवश्यक हैं ।

(4) प्रश्नगत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यो पर किया जायेगा जिसका लिये स्वीकृत की जा रही है । स्वीकृल धनराशि का व्यवर्तन किसी भी दशा में नही किया जायेगा।

(5) स्वीकृत धनराशि का उपभोग करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र दिशा -निर्देशो के अनुसार यथासमय शासन तथा महालेखाकार, उ0प्र0 इलाहाबाद को भेजा जाना वांछनीय है ।

(6) भारत सरकार द्वारा परिवर्तित व्यवस्था के अनुसार राज्यांश की धनराशिचालू कार्यो के लिये स्वीकृत की जायेगी जिसके व्यय विवरण राज्य गंगा नदी संरक्षण अभिकरण द्वारा रखे जायेगे।

(7) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में से व्यय प्रथमिकता के अनुसार परियोजना पर व्यय की जायेगी ।

2- इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तो का अनुपालन विभागों /उपक्रमो में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/ लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो, तो संबंधित वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित वित्त विभाग को दे दी जाय।

3- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-2016 के आय- व्ययक के अनुदान संख्या-37 के अन्तर्गत आयोनागत लेखाशीर्षक "2215-जल पूर्ति तथा सफाई-02-मल-जल तथा सफाई-107-मल-जल सेवायें -01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101- नेशनल गंगा रीवर बेसिन अथारिटी के अन्तर्गत संचालित परियोजनाए (के.70/रा.30) -35-पूजींगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान" के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे है।

भवदीय

(उमाशंकर सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या-198/2015-2334/नौ-5-15-02एनजीआरबीए/2015

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेशरः-

1- महालेखाकार, (वर्क्स लेखा अनुभाग), उ0प्र0 इलाहाबाद।
2- जिलाधिकारी, लखनऊ ।
3- कोषाधिकारी, कलेक्ट्रेट कोषागार, लखनऊ।
4- निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, इन्दिरा भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0 लखनऊ ।
6- वरिष्ठ लेखाधिकारी/मुख्य सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो
7- वित्त निदेशक/ तकनीकी सलाहकार, राज्य गंगा नदी संरक्षण अभिकरण, लखनऊ।
9- वित्त (ई-8) अनुभाग/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/2
10- नियोजन अनुभाग- 3/4
11- सुपर यूजर, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
12- गार्ड फाइल/ कम्प्यूटर सेल।

आज्ञा से,

(उमा शंकर सिंह)
संयुक्त सचिव।

go finance mangal font

Shashnadesh.up.nic.in/intra

Allotment Grid Report

वित्तीय वर्ष:-2015-2016

आवंटन दिनांक-17/06/2015

प्रेषण संख्या:- 198-2015

आवंटन आदेश संख्या:- 001-198-2015-2334-9-5-15-2NGRBA-15

अनुदान संख्या:- 37 नगर विकास विभाग(वित्तीय वर्ष 2015-2016 का आवंटन)

लेखाशीर्षक:- 2215 - जल पूर्ति तथा सफाई(आयोजनागत-मतदेय)

02 - मल-जल तथा सफाई

107 - मल - जल सेवाएं

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं

01 - नेशनल गंगा रिवर बेसिक अथारिटी के अन्तर्गत

(धनराशि रु. में)

S.No.	अधिकारी/जनपद का नाम		35-पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान	योग
1	लखनऊ कलेक्ट्रेट -6015-- , --01--	वर्तमान	225600000	225600000
		प्रगामी	1056840000	1056840000
	योग	वर्तमान	225600000	225600000
		प्रगामी	1056840000	1056840000

महायोग- (वर्तमान आवंटन):- रूपया बाइस करोड़ छप्पन लाख

महायोग- (प्रगामी आवंटन):- रूपया एक अरब पाँच करोड़ अड़सठ लाख चालीस हजार

(उमा शंकर सिंह)

संयुक्त सचिव